**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**08.02.2019 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 750 का उत्तर**

**रेलगाड़ियों की औसत गति को बढ़ाना**

**750. श्री नारायण लाल पंचारियाः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या सरकार ने रेलगाड़ियों की औसत गति को बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने रेलगाड़ियों के उच्च गति से चल पाने के लिए रेल पटरियों को उन्नत करने के लिए कोई कदम उठाया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) रेलगाड़ियों की औसत गति बढ़ाने में अनुमानित लागत का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजेन गोहांई)**

 (क) और (ख): जी हां। भारतीय रेल पर गाड़ियों की रफ्तार बढ़ाने के उद्देश्य से रेल बजट 2016-17 में ‘मिशन रफ्तार’ की घोषणा की गई है।

इस मिशन में अगले 5 वर्ष में माल गाड़ि‍यों की औसत रफ्तार बढ़ाकर दोगुना करने और सभी अनुपनगरीय पैसेंजर गाड़ि‍यों की औसत रफ्तार में 25 कि.मी. प्रति घंटा की वृद्धि करने की परिकल्‍पना की गई थी।

गतिशीलता में सुधार और औसत रफ्तार में वृद्धि से संबंधित कार्य योजना में गति प्रतिबंध हटाना, ऊपरी सड़क पुलों (आरओबी) और निचले सड़क पुलों (आरयूबी) का निर्माण, गाड़ियों में सही पावर का इंजन लगाना, मालडिब्बों में ट्विन-पाइप की शुरुआत और परंपरागत गाड़ियों के स्थान पर मेनलाइन इलैक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट (मेमू) गाड़ियां और डीजल इलैक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट (डेमू) गाड़ियां चलाना शामिल हैं।

(ग) और (घ): भारतीय रेल के विशिष्ट मार्गों पर आवश्यक परीक्षणों के बाद हाई स्पीड गाड़ियां चलाने के बारे में विनिश्चय किया जाता है। परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार रेलपथ सिगनल एवं कर्षण के क्षेत्र में अपेक्षित सुधार किए जाते हैं।

(ङ): चूंकि मिशन रफ्तार एक ‘मिशन’ है न कि एक ‘परियोजना’ इसलिेए मिशन रफ्तार के उद्देश्य तथा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए रेल अवसंरचना के विकास और क्षमता विस्तार के लिए किए गए पूंजी व्यय की गणना नहीं की गई है।

\*\*\*\*\*